Literacy for a Billion

Movie: Ishq Vishk
Year: 2003

Song: Aisa Kyon Hota Hai
Lyricist: Sameer

मेरे दिल को ये क्या हो गया
मैं ना जानूँ कहाँ खो गया
क्यों लगे दिन में भी रात है
धूप में जैसे बरसात है
ऐसा क्यों होता है बार-बार
क्या इसको ही कहते हैं प्यार

मेरे दिल को ये क्या हो गया
मैं ना जानूँ कहाँ खो गया
क्यों लगे दिन में भी रात है
धूप में जैसे बरसात है
ऐसा क्यों होता है बार-बार
क्या इसको ही कहते हैं प्यार

आ ...

ओ... सपने नए सजने लगे
दुनिया नई लगने लगी
पहले कभी ऐसा ना हुआ
क्या प्यास ये जगने लगी

मदहोशियों का है समाँ
वो झुकने लगा आसमाँ
ख़ामोशी बनी है ज़ुबाँ
छेड़े है कोई दास्ताँ
धड़कन पे भी छाया है ख़ुमार
ऐसा क्यों होता है बार-बार

हो आईने में जो देखा ख़ुद को
आई शरम आँखें झुकीं
धक से मेरा धड़का जिया
इक पल को ये साँसें रुकीं
अब चोरी सताने लगी
रातों को जगाने लगी
मैं यूँ ही मचलने लगी
कुछ कुछ बदलने लगी
जाने रहती हूँ क्यों बेक़रार
क्या इसको ही कहते हैं प्यार
ऐसा क्यों होता है बार-बार
क्या इसको ही कहते हैं प्यार

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.